दिनांकः 06 नवम्बर, 2023

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ

प्रेस विज्ञप्ति

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ तथा केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में **“Capacity Building Workshop for Zoo Educators”** का उद्घाटन होटल फॉर्च्यून पार्क, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ में मुख्य अतिथि डा0 अरूण कुमार, मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 06 नवम्बर, 2023 को प्रातः 10 बजे किया गया। इस अवसर पर श्री सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, श्री अजंनी कुमार आचार्य, प्रधान मुख्य वन वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश, श्री अनुपम गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश वन निगम, श्री संजय श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान, उत्तर प्रदेश, श्री सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण एवं कार्ययोजना, उत्तर प्रदेश, श्री आशीष तिवारी, सचिव, पर्यवरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, श्री बी0सी0 चौधरी, सेवानिवृत्त, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, तमिलनाडु, श्रीमती अदिति शर्मा, निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, डा0 उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, श्री आर0के0 नेगी, क्षेत्रीय वनाधिकारी, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के साथ वन विभाग एवं प्राणि उद्यान के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों को निदेशक, प्राणि उद्यान, लखनऊ द्वारा पुष्प–गुच्छ देकर स्वागत किया तत्पश्चात् मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला **“Capacity Building Workshop for Zoo Educators”** का विधिवत शुभारम्भ किया गया।

निदेशक, प्राणि उद्यान, लखनऊ श्रीमती अदिति शर्मा ने कार्यशाला में आये सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए 3 दिवसीय कार्यशाला के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागी देश के विभिन्न प्राणी उद्यानों एवं अन्य संस्थानों से प्रतिभाग

कर रहे हैं, जिन्हें विषय विशेषज्ञ व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी शिक्षा अधिकारी एक–दूसरे से अपने अनुभवों को साझा करेंगे तथा प्राणि उद्यानों में शिक्षा के स्तर को उत्कृष्ट बनाने में यह कार्यशाला महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश डा0 अरूण कुमार ने मंचासीन अतिथियों का एवं देश के विभिन्न प्राणि उद्यानों से आये 30 प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि वन विभाग ने प्राणि उद्यान तथा केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली के सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया। प्राणि उद्यान, लखनऊ देश के सबसे पुराने प्राणि उद्यानों में से एक है तथा यह 100 वर्ष से अधिक पुराना है। इस प्राणि उद्यान में 85 प्रजातियों के 1000 से अधिक वन्यजीव विद्यमान हैं। हमारे वन्यजीव बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वन्यजीव नहीं होंगे तो जंगल नहीं होंगे और जंगल नहीं होंगे तो ऑक्सीजन नहीं होगी तथा मिट्टी का कटान भी अधिक होगा। इसलिए वन्यजीवों को संरक्षित करना अत्यावश्यक है। शिक्षक शिक्षा के महत्व को बताता है क्योंकि शिक्षक नई–नई चीजों को बताने में विशेषज्ञता हासिल होती है। इस कार्यशाला में आये हुए विषय विशेषज्ञ जो व्याख्यान देंगे उससे आप सभी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा और आप सभी शिक्षा अधिकारी अपने अनुभवों को एक–दूसरे से साझा कर सकेंगे। इससे आप सभी एक–दूसरे से कुछ न कुछ लेकर जायेंगे। मुख्य अतिथि महोदय ने प्राणि उद्यान, लखनऊ की निदेशका महोदया की तारीफ करते हुए कहा कि वह प्राणि उद्यान का प्रशासन कुशलतापूर्वक चला रही हैं। दिनांक 05.11.2023 को लगभग 8 हजार दर्शकों द्वारा प्राणि उद्यान का भ्रमण किया गया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही कुकरैल में नाइट सफारी बनने जा रही है, जो कि दुनिया की चौथी नाइट सफारी होगी। स्कूली बच्चे जब भी प्राणि उद्यान का भ्रमण करने आये तो उन्हें वन्यजीवों से सम्बन्धित आवश्यक जानकारी अवश्य उपलब्ध करायी जाए।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश श्री सुधीर कुमार शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा प्राणि उद्यान, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में आये सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत है। उत्तर प्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ तीन प्राणि उद्यान एवं लॉयन सफारी है। उत्तर प्रदेश पिछले कुछ वर्षों से नई गति लेकर चल रहा है, फिर चाहे वह कोई भी क्षेत्र या कार्य हो। उत्तर प्रदेश ने पूरे देश को एक नई दिशा दिखाई है, इसके लिए मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तर

प्रदेश एवं मा0 राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश का आभार व्यक्त करता हूॅ। केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैं उनका भी आभार व्यक्त करता हूॅ कि उन्होंने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए लखनऊ को चुना। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है कि हम अपने अनुभवों को साझा करें। प्राणि उद्यानों को उद्देश्य वन्यजीवों के बारे में जानकारी देने के साथ ही दर्शकों को और स्कूली बच्चों को शिक्षित प्रशिक्षित करने का भी केन्द्र हैं और इस दृष्टि से शिक्षा अधिकारियों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राणि उद्यान, लखनऊ ने जू ऐजूकेशन को लेकर बहुत सारे प्रयास किए गए हैं, यहाँ के अनुभवों को प्राप्त कर आये हुए सभी प्रतिभागी लाभ उठायेंगे। प्राणि उद्यान का भ्रमण करने आने वाले विद्यार्थियों को वन्यजीवों के आहार, व्यवहार तथा वन्यजीवों के साथ होने वाली घटनाओं के बारे में यदि प्राणि उद्यान बता सकें तो यह बहुत अच्छी बात होगी। प्राणि उद्यानों को ऐसे कार्यक्रम तैयार करने होंगे जिससे भ्रमण करने आने वाले स्कूली बच्चे कुछ शिक्षा लेकर जाएं। कल आप सभी को प्राणि उद्यान, लखनऊ का भ्रमण करने का मौका मिलेगा। हम अपने अनुभवों को साझा कर एक मास्टर प्लान बनाने में सहयोग प्राप्त होगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश श्री अंजनी कुमार आचार्य ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी तथा उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आवाह्न करते हुए कहा कि यह सभी के लिए एक सार्थक कार्यशाला होनी चाहिए।

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, श्री आशीष तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अत्यन्त गर्व की बात हैं कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं प्राणि उद्यान, लखनऊ के परस्पर सहयोग से इस कार्यशाला का अयोजन किया गया, जिसमें बहुत सारे विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा। हमारे विभाग के अधिकारियों ने बहुत सारे अच्छे कार्य किए है जिसमें लॉयन सफारी को बनाया जाना भी सम्मिलित है। आए हुए सभी प्रतिभागी इस कार्यशाला में सर्वोत्तम कार्य अनुभवों को साझा करना भी बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

मुख्य अतिथि महोदय एवं अन्य समस्त अतिथियों द्वारा नवाब वाजिद अली अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ पर आधारित एक पुस्ताक का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि महोदय द्वारा नवाब वाजिद अली अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ आधारित एक शॉर्ट वीडियो का बटन दबाकर लोकर्पण किया गया।

निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ द्वारा आये हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया।

अंत में डा0 उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ द्वारा आये हुए सभी अतिथियो को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इसके पश्चात कार्यशाला प्रारम्भ की गयी, जिसमें श्री बी0सी0 चौधरी, सीनियर साइन्टिस्ट, सेवानिवृत्त, डब्लू0आई0आई0 ने Elements of zoo education विषय पर व्याख्यान दिया गया।

डा0 बितापी सिन्हा साइन्टिस्ट, डब्लू0आई0आई0 द्वारा Understandingvisitor motivations &profiling zoo visitors. Development of a visitor survey questionnaire एवं Range of effective communication techniques in conservation education and interpretation विषय पर व्याख्यान दिया गया।

श्री रजत घई, सी0एस0ई0, इण्डिया द्वारा Understanding and engaging with media for outreach and role of zoos in communication विषय पर व्याख्यान दिया गया।

श्री विवेक शुक्ला, प्रोग्राम प्रोड्यूसर, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ, श्री आशुतोष शुक्ला, स्टेट एडीटर, दैनिक जागरण, लखनऊ एवं सुश्री शैलवी, सहायक एडीटर, टाइम्स ऑफ इण्डिया, लखनऊ द्वारा Panel discussion with representatives of leading media विषय पर व्याख्यान देते हुए श्री विवेक शुक्ला ने कहा कि प्राणि उद्यानों को ज्यादा से ज्यादा स्कूली बच्चों से परस्पर संवाद स्थापित कर कुछ ऐसे कार्यक्रम बनाये जाएं जिससे बच्चे वन्यजीव एवं पर्यावरण के करीब आ सकें।

श्री आशुतोष शुक्ला ने कहा कि प्राणि उद्यानों को कोई भी छोटी से छोटी एवं बड़ी से बड़ी कोई भी खबर हो उसे प्रेस/मीडिया से छुपाना नहीं चाहिए। हमें प्रेस से परस्पर संवाद रखना चाहिए तथा उनसे घबराना नहीं चाहिए।

सुश्री शैलवी ने कहा कि प्राणि उद्यानों को प्रेस/मीडिया को भी वन्यजीवों के बारे में हर प्रकार की जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। जब प्रेस को भी वन्यजीवों के बारे में पूर्ण जानकारी होगी तो आम–जनमानस में खबर भी अच्छी और सच्ची जाएगी।

सुश्री सुजोषा, शिक्षा अधिकारी, मैसूर प्राणि उद्यान द्वारा Handling Zoo Visitors: Opportunity and Challenges विषय पर व्याख्यान दिया गया।

श्रीमती आकांक्षा महाजन, उप महा निरीक्षक, केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा Major consideration in designing of interpretive facilities for Zoos विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि प्रेस/मीडिया से सार्थक संवाद स्थापित कर उन्हें कार्यालय में भी बुलाते रहना चाहिए और उन्हें हर प्रकार की खबरों से अवगत कराते रहना चाहिए और प्रेस से कभी भी घबराना नहीं चाहिए और उन्हें अपने सहयोग में रखना चाहिए। उन्होंने देश के विभिन्न प्राणि उद्यानों से आये सभी 30 प्रतिभागियों से कहा कि यह कार्यशाला तीन दिन तक चलेगी।

(–ह0–)
अदिति शर्मा
निदेशक
नवाब वाजिद अली शाह
प्राणि उद्यान, लखनऊ